सितम्बर–2020 मासिक पंचांग

संवत् 2077, शक संवत् 1942, शरद ऋतु, रवि दक्षिणायने, भाद्रपद शुक्ल पक्ष

दि.	वार	तिथि	घंटा-मिनिट	नक्षत्र	घंटा-निट	राशि चन्द्रमासमय....	व्रत-पर्व-त्यौंहार.....
1.	मंगल	14	09-38	धनिष्ठा	16-37	कुम्भ	अनन्त चतुर्दशी, पूर्णिमा श्राद्ध
2.	बुध	15	10-51	शतभिषा	18-33	कुम्भ	पूर्णिमा, प्रतिपदा श्राद्ध
				प्रथम आश्विन कृष्ण पक्ष			
3.	गुरु	1.	12-26	पू.भाद्रपद	20-50	कुम्भ 14-14 तक	द्वितीया श्राद्ध
4.	शुक्र	2.	14-23	उ.भाद्रपद	23-27	मीन	
5.	शनि	3.	16-38	रेवती	26-20	मीन 26-20 तक	तृतीया श्राद्ध
6.	रवि	4.	19-06	अश्विनी	29-23	मेष	चतुर्थी श्राद्ध
7.	सोम	5.	21-38	भरणी	पूर्ण	मेष	पंचमी श्राद्ध
8.	मंगल	6.	24-02	भरणी	08-25	मेष 15-09 तक	षष्ठी श्राद्ध
9.	बुध	7.	26-05	कृतिका	11-14	वृषभ	सप्तमी श्राद्ध
10.	गुरु	8.	27-34	रोहिणी	13-38	वृषभ 26-36 तक	अष्टमी श्राद्ध
11.	शुक्र	9.	28-19	मृगशीर्ष	15-24	मिथुन	नवमी श्राद्ध
12.	शनि	10.	28-14	आर्द्रा	16-24	मिथुन	दशमी श्राद्ध
13.	रवि	11.	27-16	पुनर्वसु	16-33	मिथुन 10-35 तक	रविपुष्य, एकादशी श्राद्ध
14.	सोम	12.	25-29	पुष्य	15-51	कर्क	द्वादशी श्राद्ध
15.	मंगल	13.	23-00	आश्लेषा	14-24	कर्क 14-24 तक	त्रयोदशी श्राद्ध
16.	बुध	14.	19-56	मघा	12-20	सिंह	चतुर्दशी श्राद्ध
17.	गुरु	30.	16-29	पु.फाल्गुनी	09-47	सिंह 15-06 तक	सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध
				प्रथम आश्विन शुक्ल पक्ष			
18.	शुक्र	1.	12-50	उ.फाल्गुनी	06-59	कन्या	पुरुषोत्तम मास प्रा.
19.	शनि	2.	09-10	चित्रा	25-19	कन्या 14-41 तक	
20.	रवि	4.	26-26	स्वाति	22-51	तुला	
21.	सोम	5.	23-42	विशाखा	20-48	तुला 15-16 तक	
22.	मंगल	6.	21-30	अनुराधा	19-17	वृश्चिक	
23.	बुध	7.	19-56	ज्येष्ठा	18-14	वृश्चिक 18-24 तक	
24.	गुरु	8.	19-01	मूला	18-09	धनु	
25.	शुक्र	9.	18-43	पू. षाढ़ा	18-30	धनु 24-41 तक	
26.	शनि	10.	18-59	उ. षाढ़ा	19-25	मकर	
27.	रवि	11.	19-46	श्रवण	20-49	मकर	
28.	सोम	12.	20-58	धनिष्ठा	22-37	मकर 09-40 तक	पुरुषोत्तम मास एकादशी व्रत
29.	मंगल	13.	22-33	शतभिषा	24-47	कुम्भ	
30.	बुध	14.	24-25	पू.भाद्रपद	27-14	कुम्भ 20-36 तक	भोम प्रदोष व्रत

नोट– यह स्टेण्डर्ड टाईम के अनुसार पंचांग है। पूर्णिमा को 15 एवं अमावस को 30 दर्शाया गया है। घंटा–मिनिट 24 बजे तक प्रदर्शित है। जो तिथि–नक्षत्र, चन्द्रमा अगली तारीख तक रहते हैं, उन्हें 24 बजे के बाद तक भी प्रदर्शित किया है। दोपहर के चार बजे को 16 एवं रात्रि के चार बजे को 28 बजे लिखा गया है, जिससे समझने में आसानी रहे। सभी अंक समाप्ति काल को दर्शाते हैं अर्थात् उक्त तिथी या नक्षत्र उस समय तक है। उसके पश्चात् अगली तिथि या नक्षत्र आरम्भ होगा। इस जानकारी का भी लाभ उठायें।

♦♦♦